# 2021-22 MODEL QUESTION PAPER-1

# Subject : THIRD LANGUAGE HINDI

# KEY ANSWERS

**I. निम्नलिखित प्रश्नों के चार-चार विकल्प दिए गए हैं उनमें से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :** **8×1=8**

1] B] छोटा

2] D] भाई

3] C] प्रतियाँ

4] A] पढ़ाना

5] C] द्वन्द्व

6] A] दीर्घ

7] D] से

8] B] पूर्ण विराम

**IIनिम्न्लिखित प्रथम दो शब्दों के सूचित संबंधों के अनुरुप तीसरे शब्द का संबंधित शब्द लिखिए :** **4×1=4**

9] काजू

10] शम्सुद्दीन

11] तेनजिंग नोर्गे

12] यशोदा

**III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक –एक वाक्य में लिखिए :-** **4×1=4**

13] अब्दुल कलाम जी बचपन में अपने पुश्तैनी घर में रहते थे ।

14] विजयपुरा नगर का प्रमुख आकर्षक स्थान गोलगुंबज़ की व्हिस्परिंग गैलरी है ।

15] तुलसीदास के अनुसार मुखिया को मुँह के समान रहना चाहिए।

16] समय ईश (भगवान) का दिया हुआ अनुपम धन है ।

**IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो –तीन वाक्यों में लिखिए :-** **8×2=16**

17] दुकानदार ने लेखक से कहा, "बाबूजी, बड़े मजेदार सेब आये हैं, खास कश्मीर के। आप ले जाएँ, खाकर तबीयत खुश हो जायेगी।"

18] महादेवी वर्मा को चौंकाने के लिए गिल्लू कभी फूलदान के फूलों में छिप जाता था। कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में छिप जाता था।

19] बलराम कृष्ण को चिढ़ाता है। वह कृष्ण से कहता है कि यशोदा ने उसे जन्म नहीं दिया है। इसे मोल लिया है। इस गुस्से के कारण कृष्ण बलराम के साथ खेलने नहीं जाना चाहता है।

20] ई-गवर्नेस द्वारा सरकार के कामकाज का विवरण, अभिलेख, सरकारी आदेश आदि को यथावत् लोगों को सूचित किया जाता है। इससे प्रशासन पारदर्शी बनता है।

21] बजेंद्री को बचपन में रोज पाँच किलोमीटर पैदल चल कर स्कूल जाना पड़ता था। सिलाई का काम करके पढ़ाई का खर्च जुटाए। वह अपने भाई के साथ अक्सर पहाड़ों पर भी जाती थी।

22] समय अधिक महत्वपूर्ण एवं उपयोगी होता है। उसे जो अपना सच्चा साथी बनाएगा, वो ही अपने काम में सफल होगा। जो काम करना है वो अभी करना चाहिए। कल के बारे में हमें कुछ पता नहीं।

23] शनि का निर्माण हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से बना हुआ है ।

**[अथवा]**

प्रकृति ने इस ग्रह के गले में खूबसूरत हार डाल दिये हैं। शनि के इन वलयों या कंकणों ने इस ग्रह को सौर-मंडल का सबसे सुंदर एवं मनोहर ग्रह बनाया है। वस्तुत: शनि सौर-मंडल का सर्वाधिक सुंदर ग्रह है ।

24] संसार में जितने भी महान व्यक्ति हुए, सबने सत्य का सहारा लिया है। सत्य का पालन किया है। राजा हरिश्चंद्र की सत्यनिष्ठा विश्वविख्यात है। राजा दशरथ ने सत्य वचन निभाने के लिए अपने प्राण त्याग दिए। महात्मा गांधी ने सत्य की शक्ति से ही विदेशी शासन को झकझोर दिया।

**[अथवा]**

शास्त्रों में सत्य बोलने को कुछ इस तरह समझाया है ।

'सत्यं ब्रूयात्, प्रिय ब्रूयात्, न ब्रूयात् सत्यमप्रियम्' अर्थात्,

'सच बोलो जो दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय सत्य मत बोलो।'

## V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखिए :- 9×3=27

25] आदमी बेईमानी तभी करता है जब उसे अवसर मिलता है ।

- बेईमानी का अवसर देना बेईमानी में सहयोग देना है ।
- इसलिए बाजार में अपना सामान खुद चुनना चाहिए ।
- खरीदारी करते समय सावधानी बरतनी चाहिए वरना धोखा खाने की संभावना होती है ।

26] एक मानव को दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाना चाहिए ।

- स्वयं को पहचानकर भाईचारे को समझना चहिए ।
- बुद्धि पर हृदय की जीत करे, वही विद्वान, वही ज्ञानी और मानव भी है ।

27] जैनुलाबदीन नमाज के बारे में कहते थे, जब तुम नमाज पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर में इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हो, जिसमें दौलत, आयु, जाति या धर्म-पंथ का कोई भेदभाव नहीं होता।

28] राजकिशोर मजदूरों के नेता थे।

- गरीबों के प्रति सहानुभूति दिखाने वाले व्यक्ति थे।
- बसंत के आग्रह पर उसे सहायता करने की दृष्टि से एक छलनी खरीदते हैं।
- प्रताप से बसंत की मोटर दुर्घटना का समाचार सुनते ही तुरंत उसके घर पहुंचते हैं।
- बसंत के इलाज के लिए डॉक्टर को बुलाते हैं।
- इस तरह हमें राजकिशोर के मानवीय व्यवहार का परिचय मिलता है।

29] सोशल नेटवर्किंग ने पूरी दुनिया को एक जगह ला खड़ा कर दिया है।

- फेसबुक, ऑरकुट, ट्विटर, व्हाट्सएप आदि सोशल नेटवर्किंग साइट्स है।
- इनसे देश विदेश के लोगों का रहन-सहन, वेश-भूषा, खान-पान, कला, संस्कृति आदि का प्रभाव शीघ्रातिशीघ्र समाज पर पड़ रहा है।

30] लेखक ने कमरा छोडकर सीधा स्टेशन जाने का निर्णय लिया क्यों कि चीजें तो सब चुरा ली गयीं | थी। ताला तक चोरी में चला गया था। अब लेखक ही बचा था। वह सोचता है कि – अगर वह रुका तो वह भी चुरा लिया जायेगा। इस ;इए लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय किया।

31] मातृभूमि अमरों की जननी है।

- भारत माता के एक हाथ में न्याय पताका है, जो न्याय का प्रतीक है।
- दूसरे हाथ में ज्ञान का दीप है, जो ज्ञान का प्रतीक है।
- भारत माता न्याय तथा ज्ञान द्वारा बच्चों का मार्गदर्शन कर रही है।

32] **भावार्थ :-** प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास जी कहते हैं कि – दया धर्म का मूल है और अभिमान पाप का। इसलिए जब तक शरीर में में प्राण है, तब तक मानव को अपना अभिमान छोड़कर दयालु बने रहना चाहिए।

33] **ಬಹಳ ಕಷ್ಟಪಟ್ಟು ಲೇಖಕಿಯವರು ಗಿಲ್ಲುವನ್ನು ಪ್ಲೇಟ್ ಬಳಿ ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳುವುದನ್ನು ಕಳಿಸಿದರು. ಅಲ್ಲಿ ಅದು ತಟ್ಟೆಯಿಂದ ಒಂದೊಂದು ಅಗಳುಅನ್ನವನ್ನು (ಪ್ರತಿ ಅನ್ನವನ್ನು) ಎತ್ತಿಕೊಂಡು ತಿನ್ನುತ್ತಿತು.**

**VI निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच-छः वाक्यों में लिखिए :- 2×4=8**

34] कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फ़ैलायी है।

- वचन कार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे।
- अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु ,सर्वज्ञ जैसे अनेक वचनकारों ने वचनों द्वारा प्रेम और दया की सीख दी है।
- पुरंदरदास, कनकदास आदि भक्त कवियों ने भक्ति, नीति, सदाचार के गीत गाये हैं।
- पंपा, रन्ना,कुमारव्यास, हरिहर, राघवांक आदि ने महान काव्यों की रचना कर कन्नड़ साहित्य को समृद्ध बनाया है।
- आधुनिक साहित्यकार कुवेम्पु, द.रा बेंद्रे, शिवराम कारंत, मास्ति वेंकटेश अय्यंगार, वि.कृ. गोकाक , यू.आर अनंतमूर्ति, गिरीश कर्नाड और चंद्रशेखर कंबर आदि ज्ञानपीठ पुरस्कार से अलंकृत हैं।
- इस तरह कर्नाटक के साहित्यकारों ने कन्नड़ भाषा तथा संस्कृति को अनुपम देन दी है।

[अथवा]

बेंगलूर में देश-विदेश के लोग आकर बस गयें हैं। बेंगलूर शिक्षा का ही नहीं, बल्कि बड़े-बड़े उद्योग-धंधों का भी केंद्र है। यहाँ प्रसिद्द भारतीय विज्ञान संस्थान, एच.ए.एल, एच.एम.टी, आइ.टी.आइ, बी.एच.ई.एल, बी.ई.एल जैसी बृहत संस्थाएँ है ।इसे सिलिकान सिटी भी कहा जाता है। वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्तर उपलब्धियों को पाने के कारण बेंगलूर विश्व भर में प्रसिद्ध है।

35] निम्नलिखित कवितांश पूर्ण कीजिए ।

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोडकर मत भागो तुम।

VII. 36].गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **4×1=4**

a] सुभाषचंद्र बोस भारत की स्वतंत्रता के महान सेनानी थे । इसलिए अंग्रेज सरकार इनसे बहुत अधिक डरती थी।

b] महात्मा गांधीजी का विनम्र सत्याग्रह उन्हें नहीं भाता था । अत: उन्होंने गांधीजी का साथ छोड़ दिया ।

c] बहिष्कार का आंदोलन चलाने के कारण सुभाष को जेल जाना पड़ा ।

d] सुभाष ने बाढ़-पीड़ितों की सेवा तन-मन-धन से की ।

**VIII 37] दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 12-15 वाक्यों में किसी एक विषय के बारे में निबंध लिखिए :-** **1×4=4**

## (क) वन महोत्सव

**विषय प्रवेश :-** वन महोत्सव का सम्बन्ध वनों से होता है। वनों और प्राणियों का सम्बन्ध बहुत पुराना है। मानव वनस्पति के बिना नहीं रह सकता, बड़े दुर्भाग्य की बात है कि इन वनों को अन्धाधुन्ध काटा जा रहा है। इस भूल के सुधार के लिए आजाद भारत ने 1950 ई० में वन महोत्सव मनाना आरम्भ किया। गाँवों और शहरों में यह उत्सव अलग-अलग प्रकार के वृक्ष लगाकर मनाया जाता है।

**वृक्षों** का उपयोग:-

वृक्षों से स्वास्थ्य लाभ होता है क्योंकि मनुष्य के श्वास प्रक्रिया से जो दूषित हवा बाहर निकलती है, वृक्ष उन्हे ग्रहण कर, हमें बदले में स्वच्छ हवा देते हैं| वृक्षों पर अनेक प्रकार के पक्षी अपना घोंसला बना कर रहते हैं और उनकी कल कल मधुर ध्वनि पर्यावरण में मधुरता घोलती है|वृक्षों से अनेक प्रकार के स्वाद भरे फल हमारे भोजन को रसमय और स्वादिष्ट बनाते हैं| इनकी छाल और जड़ों से दवाइयां बनाई जाती है|पशु वृक्षों से अपना भोजन ग्रहण करते हैं| इसलिए हमें अपनी धरती के आंचल को अधिक से अधिक हरा-भरा

रखने के लिए पेड़ पौधे लगाने चाहिए| यह वर्षा कराने में सहायक होते हैं| मानसूनी हवाओं को रोककर वर्षा कराना पेड़ों का ही काम है|वृक्षों के अभाव में वर्षा नहीं होती है और वर्षा के अभाव में अन्न का उत्पादन नहीं हो पाता है| गृह कार्य में वृक्ष हमें सुखद छाया और मंद पवन देते हैं| सूखे ब्रक्ष ईंधन के काम आते हैं| गृह निर्माण, गृह सज्जा, फर्नीचर, के लिए हमें वृक्षों से ही लकड़ी मिलती है| आमला, चमेली का तेल, गुलाब, केवड़े का इत्र, खस की खुशबू यह सभी वृक्षों और उनकी जडो से ही बनाए जाते हैं|

**वृक्षों से लाभ:-** वृक्षों से स्वास्थ्य लाभ होता है क्योंकि मनुष्य के श्वास प्रक्रिया से जो दूषित हवा बाहर निकलती है, वृक्ष उन्हे ग्रहण कर, हमें बदले में स्वच्छ हवा देते हैं। वृक्षों पर अनेक प्रकार के पक्षी अपना घोंसला बना कर रहते हैं और उनकी कल कल मधुर ध्वनि पर्यावरण में मधुरता घोलती है|वृक्षों से अनेक प्रकार के स्वाद भरे फल हमारे भोजन को रसमय और स्वादिष्ट बनाते हैं। इनकी छाल और जड़ों से दवाइयां बनाई जाती है।पशु वृक्षों से अपना भोजन ग्रहण करते हैं। इसलिए हमें अपनी धरती के आंचल को अधिक से अधिक हरा-भरा रखने के लिए पेड़ पौधे लगाने चाहिए। यह वर्षा कराने में सहायक होते हैं। मानसूनी हवाओं को रोककर वर्षा कराना पेड़ों का ही काम है। वृक्षों के अभाव में वर्षा नहीं होती है और वर्षा के अभाव में अन्न का उत्पादन नहीं हो पाता है। गृह कार्य में वृक्ष हमें सुखद छाया और मंद पवन देते हैं। सूखे ब्रक्ष ईंधन के काम आते हैं। गृह निर्माण, गृह सज्जा, फर्नीचर, के लिए हमें वृक्षों से ही लकड़ी मिलती है। आमला, चमेली का तेल, गुलाब, केवड़े का इत्र, खस की खुशबू यह सभी वृक्षों और उनकी जडो से ही बनाए जाते हैं।

**.उपसंहार:-**

वन महोत्सव हमें वृक्षों की उपयोगिता की शिक्षा प्रदान करते है इससे हम विदित होते है कि वृक्ष हमारी अमल्य सम्पति हैं। इनके अभाव में मानव जीवन तो क्या प्राणी जीवन भी प्रभावित होता है। मानव जीवन तथा प्राणी समाज को बचाने के लिए तथा उसमें समुचित विकास करने हेतु और वातावरण को सन्तुलित रखने के लिए पेड-पौधों को लगाना अति आवश्यक है।

## (ख) इंटरनेट का उपयोग

**प्रस्तावना :-** आज का युग इंटरनेट युग है । बड़े बूढ़ों से लेकर छोटे बच्चों तक सब पर इस इन्टरनेट का असर पढ़ा है ।

**अर्थ :-** इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतरजाल का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है ।

**इंटरनेट का महत्व एवं लाभ :-** इंटरनेट जीवन के हर क्षेत्र में अपना कमाल दिखाया है । चिकित्सा , कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान , विज्ञान , शिक्षा और यहां तक कि देश के रक्षा दलो की कार्यवाही में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है।

**इंटरनेट लाभ**

इंटरनेट द्वारा घर बैठे बैठे खरीदारी कर सकते हैं ।कोई भी विचार हो , चित्र हो , या विषय हो कम समय में विश्व के किसी भी कोने में भेजना संभव होगया है । इंटरनेट द्वारा कोई भी बिल भर सकते हैं ।इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनियाँ की किसी भी जगह में चाहे जितनी भी रक़म भेजी जा सकती है ।संचार और सूचना के क्षेत्र में प्रगति हुई है ।

**उपसंहार :-**

उपरयुक्त विषय को देखते हुये हम कह सकते हैं कि इंटरनेट एक ओर वरदान है तो दूसरी ओर अभिशाप भी है। हमें इंटरनेट का उपयोग वैध जरूरतों को या अच्छे ज्ञान को प्राप्त करने केलिए करना चाहिए ना कि अनावश्यक या अनुपयोगी जानकारी के लिए। बच्चों को अपनी निगरानी में इंटरनेट का उपयोग करने देना चाहिए। अगर ऐसा करेंगे तो इंटरनेट वरदान ही होगा।

## (ग)**पर्यटन** का महत्व

**विषय प्रवेश:-** जीवन का असली आनंद घुमक्कड़ी में है ; मस्ती और मौज में है ।प्रकृति के सौंदर्य का रसपान अपनी आँखों से उसके सामने उसकी गोद में बैठकर ही किया जा सकता है। उसके लिए आवश्यक है – पर्यटन।

**पर्यटन-एक शौक :-** पर्यटन आदिकाल से ही मनुष्यों का स्वभाव रहा है। घूमना-फिरना भी मनुष्य के जीवन को आनंद से भर देता है इसका पता लोगों ने बहुत पहले ही लगा लिया था। पहले लोग पैदल चलकर या समुद्र मार्ग से लंबी-लंबी दूरियाँ तय कर अपने भ्रमण के शौक को पूरा करते थे।

कुछ लोग ऊँटों, घोड़ों आदि पर चढ़कर समूह यात्रा करते थे हालांकि ऐसी कई यात्राएँ व्यापार के उद्देश्य से भी की जाती थीं। परंतु ऐसे लोगों की भी कमी नहीं थी जो यात्रा तो व्यापार शिक्षा प्राप्ति या राजा के दूत बनकर करते थे परंतु उनकी यात्रा ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण बन जाती थी। ये लोग दूसरे देश की संस्कृति का अध्ययन कर अपने अनुभवों को ग्रंथ रूप में लिख देते थे।

**पर्यटन से लाभ :-** पर्यटन का क्षेत्र बहुत विस्तृत है. यह आपका राज्य या देश के विभिन्न स्थानों से शुरू होकर पृथ्वी की सतह पर कहीं भी यात्रा करने के लिए पर्याप्त है. पर्यटन के परिणाम स्वरूप, विभिन्न स्थानों के साथ प्रत्यक्ष संपर्क स्थापित होता है. इसलिए यह पर्यटकों के ज्ञान और दृष्टिकोण को समृद्ध करता है. विभिन्न स्थानों और देशों की यात्रा करने से उस सब स्थान के सभ्यता, संस्कृति, सामाजिक रीति-रिवाजों आदि का सटीक ज्ञान प्राप्त होता है. इन सबका लाभ पर्यटकों को मिलता है. इसलिए, पर्यटन देशों के बीच प्रेम, सद्भावना, भाईचारे और दोस्ती को बढ़ाकर शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देता है. विभिन्न स्थानों की यात्रा करने से पर्यटकों को बहुत अधिक मानसिक संतुष्टि मिलती है. बहुत सी नई जगहों और चीजों को देखकर और अजनबियों के संपर्क में आने से इंसान के मन को खुशी मिलती है. पर्यटन द्वारा विभिन्न स्थानों में आर्थिक स्थिति और राजनीतिक स्थिति के बारे में विचार बनाता है. इससे पर्यटकों के आर्थिक विकास और राजनीतिक चेतना का विकास होता है. पर्यटन धर्म के प्रचार और राजनीतिक जागरूकता बढ़ाने में मदद करता है.

**उपसंहार**:-पर्यटन मानव जीवन के सभी पहलुओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. यह न केवल देश के भीतर राष्ट्रीय एकता स्थापित करने में मदद करता है बल्कि अंतर्राष्ट्रीय सद्भावना की स्थापना को भी मजबूत करता है. अगर सरकार और जनता इस बारे में जागरूक होंगे और एक-दूसरे के साथ सहयोग करेंगे तो पर्यटन उद्योग के और बढ़ने की उम्मीद है.

IX 38] निम्नलिखित विषय के बारे में पत्र लिखिए :- 5×1=5

**प्रेषक,** **दिनांक: 08-03-2022**

महबूब बाषा एम
दसवींकक्षा
सरकारी हाईस्कूल
एस.आर.कालोनी
बल्लारी-583101

**सेवामें,**

प्रधानाध्यपक
सरकारी हाईस्कूल
एस.आर.कालोन
बल्लारी-583101

**पूज्य गुरुजी,**

**विषय:**छुट्टी के लिए प्रार्थना पत्र।

उपर्युक्त विषयानुसार आपसे सविनय निवेदन है कि मेरी तबीयत ठीक न होने के कारण मैं पाठशाला को आने असमर्थ हूँ। इसलिए आप दिनांक 09-03-2022 से 12-03-2022 तक तीन दिनों की छुट्टी देने की कृपा करें।

**"धन्यवादकेसाथ"**

आपका आज्ञाकारी छात्र
महबूब बाषा एम

पूज्य पिताजी, दि: 08/03/2022
सादर प्रणाम ।

मैं यहाँ आपके आशिर्वाद से कुशल हूँ। आपका पत्र मिला, पढ़कर अत्यंत खुशी हुई । मेरी पढ़ाई ठीक चल रही है। आपकी आज्ञानुसार मन लगाकर दिन-रात पढ़ाई में व्यस्त रहता हूँ। आनेवाले परीक्षा में मैं,अच्छे अंक लेकर अध्यापकों एवं आप का नाम रौशन करूँगा । माताजी को मेरा प्रणाम, छोटी बहन को ढेर सारा प्यार।

आपका आज्ञाकारी पुत्र
महबूब बाषा.एम

**सेवा में,**
**मासूम वली**
**पटेल नगर**
**बल्लारी-583101**